



## भारत में BioE3 नीति और जैव प्रौद्योगिकी

### प्रलिस के लयः

BioE3 नीतः, वजिज्ञान धारा, नेट जीरो कारबन अर्थव्यवस्था, सरकुलर बायोइकोनॉमी, पर्यावरण के लयः जीवनशैली, जीन थेरेपी, सटेम सेल, गोलडन राइस, बायोरेमेडिएशन, कारबन फुटप्रिंट, राषट्रीय बायोफार्मा मशिन, बायोटेक-कसिान योजना, अटल जय अनुसंधान बायोटेक मशिन, वन हेल्थ कंसोर्टियम

### मेन्स के लयः

भारत का जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र, भारत के लयः जैव प्रौद्योगिकी का महत्त्व, भारत में जैव प्रौद्योगिकी के वकिस में बाधा डालने वाली प्रमुख चुनौतयः ।

[स्रोत: द हद्वि](#)

### चर्चा में क्यः?

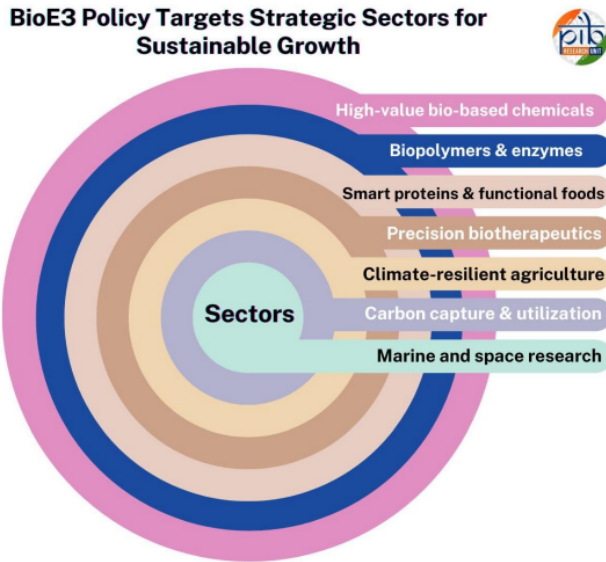
हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जैव प्रौद्योगिकी वभाग के प्रस्ताव 'उच्च प्रदर्शन जैव वनरिमाण को बढ़ावा देने के लयः अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लयः जैव प्रौद्योगिकी (BioE3) नीतः' को मंजूरी दी ।

- BioE3 नीतः के साथ-साथ केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वजिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की तीन योजनाओं को मलाकर एक योजना बना दी है, जसः [वजिज्ञान धारा](#) कहा गया है, जसका वतःतीय परवियय वर्ष 2025-26 तक 10,579 करोड़ रुपए है ।

### BioE3 नीतः क्या है?

- **परचयः** BioE3 का उद्देश्य उच्च प्रदर्शन वाले [जैव-वनरिमाण](#) को बढ़ावा देना है, जसमें **वभिन्न क्षेत्रों में जैव-आधारतः उत्पादों** का उत्पादन शामिल है ।
  - यह नीतः वियापक राषट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप है, जैसे '[नेट जीरो](#)' कारबन अर्थव्यवस्था प्राप्त करना और [सरकुलर बायोइकोनॉमी](#) के माध्यम से सतत वकिस को बढ़ावा देना ।
- **उद्देश्यः** BioE3 नीतः अनुसंधान एवं वकिस (R&D) और उद्यमता में नवाचार पर ज़ोर देती है, बायोमैनयुफैक्चरगः, Bio-AI हब व बायोफाउंडरीज की स्थापना करती है, जसका उद्देश्य भारत के कुशल जैव प्रौद्योगिकी कार्यबल का वसितार करना है, जो '[पर्यावरण के लयः जीवनशैली](#)' कार्यक्रमों के साथ संरेखतः है तथा पुनर्योजी जैव अर्थव्यवस्था मॉडल के वकिस को लक्षतः करता है ।
  - BioE3 नीतः का उद्देश्य जैव वनरिमाण केंद्रों की स्थापना के माध्यम से वशेष रूप से टयःर-II और टयःर-III शहरों में महत्त्वपूर्ण रोजगार सृजन करना है ।
    - ये केंद्र स्थानीय [बायोमास](#) का उपयोग कर क्षेत्रीय आर्थिक वकिस और समतामूलक वकिस को बढ़ावा देंगे ।
  - नीतः में ज़मिंदार जैव प्रौद्योगिकी वकिस सुनशितः करते हुए भारत की वैश्विक प्रतःस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लयः **जैव सुरक्षा और वैश्विक नयामक संरेखण** पर भी ज़ोर दया गया है ।
- **BioE3 नीतः की मुख्य वशेषताओं में शामिल हैं**
  - **जैव-आधारतः रसायन और एंजाइमः** पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लयः उन्नत जैव-आधारतः रसायनों और एंजाइमों का वकिस ।
  - **कार्यात्मक खाद्य पदार्थ और स्मार्ट प्रोटीनः** पोषण एवं खाद्य सुरक्षा को बढ़ाने के लयः कार्यात्मक खाद्य पदार्थों और स्मार्ट प्रोटीन में नवाचार ।
  - **प्रसिजन बायोथेरेप्यूटकः** स्वास्थ्य सेवा परणामों को बेहतर बनाने के लयः सटीक चकितःसा और बायोथेरेप्यूटकः को आगे बढ़ाना ।
  - **जलवायु लचीला कृषः** जलवायु परिवर्तन के लयः लचीले कृषः पद्धतयः को बढ़ावा देना, खाद्य सुरक्षा सुनशितः करना ।
  - **कारबन कैपचर और उपयोगः** वभिन्न उद्योगों में कुशल कारबन कैपचर और इसके उपयोग के लयः प्रौद्योगिकयः को बढ़ावा देना ।
  - **भवषिय के समुद्री और अंतरकषः अनुसंधानः** जैव वनरिमाण में नई सीमाओं का पता लगाने के लयः समुद्री और अंतरकषः जैव प्रौद्योगिकी में अनुसंधान का वसितार करना ।

The policy's scope is broad and ambitious, encompassing several strategic sectors:



//

## वज्जिज्ञान धारा योजना क्या है?

- **पृष्ठभूमि:** वज्जिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) देश में वज्जिज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार गतिविधियों के आयोजन, समन्वय तथा संवर्धन हेतु नोडल विभाग के रूप में कार्य करता है।
  - वज्जिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित तीन प्रमुख केन्द्रीय क्षेत्र योजनाएँ-संस्थागत एवं मानव क्षमता निर्माण, अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास व परिनियोजन, जो DST द्वारा कार्यान्वयित थी, को एक एकीकृत योजना 'वज्जिज्ञान धारा' में वलिय कर दिया गया है।
- **उद्देश्य और लक्ष्य:** तीनों योजनाओं को एक ही योजना में वलिय करने से नधिउपयोग की दक्षता में सुधार होगा और वभिन्न उप-योजनाओं/कार्यक्रमों के बीच समन्वय स्थापित होगा।
  - वज्जिज्ञान धारा योजना का उद्देश्य देश में अनुसंधान एवं विकास का वसितार करना तथा पूरणकालिक समकक्ष (FTE) शोधकर्त्ताओं की संख्या में वृद्धि करना है।
  - केंद्रति हस्तक्षेप से लगी समानता प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ वज्जिज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (STI क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी।
  - वज्जिज्ञान धारा के अंतर्गत सभी कार्यक्रम वज्जिज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के 5-वर्षीय लक्ष्यों के अनुरूप हैं तथा इनका उद्देश्य वर्ष 2047 तक वकिसति भारत अर्थात "[वकिसति भारत 2047](#)" के व्यापक दृष्टिकोण को ध्यान में रखना है।
- BioE3 नीति को पूरक बनाना: वज्जिज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थागत बुनियादी ढाँचे को बढ़ाना और महत्त्वपूर्ण मानव संसाधन पूल का विकास करना।
  - बुनियादी अनुसंधान, टिकाऊ ऊर्जा, जल आदि क्षेत्र में उपयोग योग्य अनुसंधान को बढ़ावा देता है।
  - स्कूल से लेकर उद्योग स्तर तक नवाचारों का समर्थन करता है और शिक्षा, सरकार एवं उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाता है।

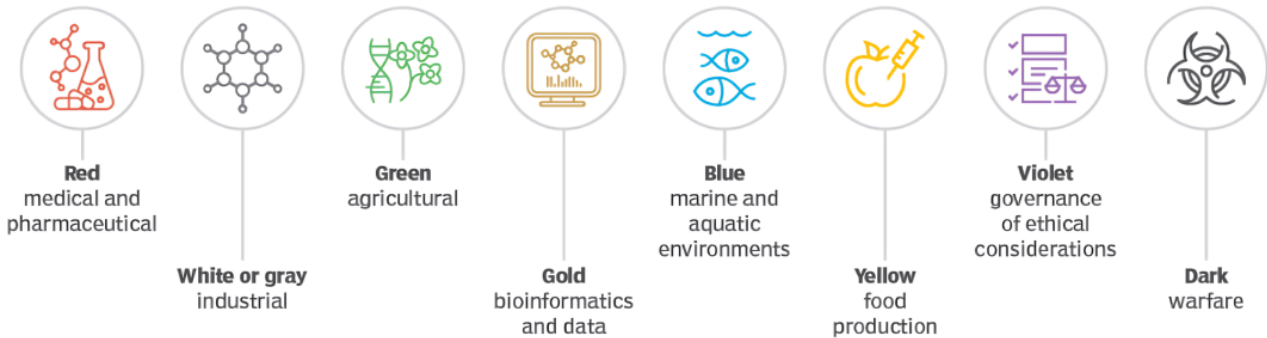
## जैव प्रौद्योगिकी क्या है?

- **परिचय:** जैव प्रौद्योगिकी एक ऐसा क्षेत्र है, जो जीववज्जिज्ञान को प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ता है, **सेलुलर और बायोमॉलिक्यूलर प्रक्रियाओं** का प्रयोग करके ऐसे उत्पाद एवं प्रौद्योगिकी बनाता है, जो हमारे जीवन को बेहतर बनाते हैं तथा हमारे ग्रह की सुरक्षा करते हैं।
- **लाभ:**
  - **स्वास्थ्य सेवा में प्रगति:** मेडिकल बायोटेक्नोलॉजी (रेड बायोटेक) उन्नत दवाओं, टीकों और उपचारों के विकास को सक्षम बनाता है, जसिमें व्यक्तिगत चिकित्सा, **जीन थेरेपी** और **लक्षित कैंसर उपचार** शामिल हैं।
    - इसके अतिरिक्त जैसा कि **कोविड-19 महामारी** द्वारा प्रदर्शित किया गया है, यह टीकों के निर्माण को गति देता है। **सटेम सेल** अनुसंधान और **ऊतक इंजीनियरिंग** कषतगिरस्त ऊतकों एवं अंगों को पुनर्जीवित करने की क्षमता प्रदान करते हैं, जसिसे उन रोगों के उपचार के नए मार्ग खुलते हैं जिन्हें लाइलाज माना जाता था।
  - **कृषि सुधार:** कृषि जैव प्रौद्योगिकी (ग्रीन बायोटेक) के तहत पादप वर्ग में **आनुवंशिक संशोधन** और इंजीनियरिंग शामिल है, जो कीटों,

बीमारियों एवं अनावृष्टि जैसे पर्यावरणीय तनावों के प्रति अधिक प्रतिरोधी फसल कस्मों का उत्पादन कर सकते हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा में सुधार होता है।

- बायोटेक उन्नत पोषण प्रोफाइल वाली फसलों के विकास की अनुमति देता है, जैसे कि **गोलडन राइस**, जो **कृपोषण** से निपटने के लिये विटामिन A से भरपूर होता है।
- पर्यावरणीय स्थिरता: **जैव प्रौद्योगिकी के तहत तेल रसाव, भारी धातुओं और प्लास्टिक जैसे प्रदूषकों (बायोरेमिडिएशन) को साफ करने के लिये सूक्ष्मजीवों का प्रयोग किया जाता है, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्भरण करने और पर्यावरणीय क्षति को कम करने में मदद मिलती है।**
  - **औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी (व्हाइट बायोटेक)** जैव प्रौद्योगिकी को औद्योगिक प्रक्रियाओं में लागू करती है, जैसे **जैव ईंधन**, **जैव प्लास्टिक** और **बायोडिग्रेडेबल पदार्थों** का उत्पादन।
    - यह पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने और **स्वच्छ उत्पादन विधियों के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।**
  - जैव प्रौद्योगिकी नवाचार अपशब्द पदार्थों को रीसाइकल और अपसाइकल करने में मदद करते हैं, **परपितृ अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं** तथा **लैंडफिल को कम** करते हैं।
- **आर्थिक विकास:** जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान, विकास और निर्माण क्षेत्रों में रोजगार सृजति करके आर्थिक विकास को गति देता है।
  - जैव प्रौद्योगिकी में निवेश करने वाले देश अत्याधुनिक नवाचारों में अग्रणी हैं, जिससे उन्हें वैश्विक बाजारों और व्यापार में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है।
- **जलवायु परिवर्तन शमन:** कुछ जैव प्रौद्योगिकी वातावरण से **कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर उसका उपयोग** कर सकती हैं, जिससे **जलवायु परिवर्तन** के प्रभावों को कम करने में मदद मिलती है।
  - जैव प्रौद्योगिकी स्वच्छ **जैव ईंधन** के उत्पादन में सहायता करती है, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करती है और **कार्बन फुटप्रिंट्स** को कम करती है।
- **सामग्रियों में नवाचार:** जैव प्रौद्योगिकी **जैव-आधारित फाइबर और उच्च-प्रदर्शन जैव-कंपोजिट** सहित नवीन सामग्रियों की इंजीनियरिंग को सक्षम बनाती है, **जनिका फैशन से लेकर एयरोस्पेस तक के उद्योगों में अनुप्रयोग किया जा सकता है।**

## Types of biotechnology



## भारत में बायोटेक्नोलॉजी की वर्तमान स्थिति क्या है?

- **बायोटेक्नोलॉजी हब:** भारत वैश्विक स्तर पर **शीर्ष 12 बायोटेक्नोलॉजी गंतव्यों** में शुमार है। कोविड-19 महामारी ने भारत में बायोटेक्नोलॉजी के विकास को गति दी, जिससे टीके, नैदानिक परीक्षण और चिकित्सा उपकरणों में प्रगति हुई।
  - वर्ष 2021 में भारत में बायोटेक स्टार्टअप पंजीकरण की रिकॉर्ड संख्या देखी गई, जिसमें 1,128 नई प्रविष्टियाँ शामिल थीं, जो वर्ष 2015 के बाद से सबसे अधिक है। वर्ष 2022 तक बायोटेक स्टार्टअप की कुल संख्या 6,756 तक पहुँच गई, जिसके वर्ष 2025 तक 10,000 तक पहुँचने की उम्मीद है।
- **बायोइकोनॉमी:** भारत की बायोइकोनॉमी में व्यापक वृद्धि देखी गई है, जो वर्ष 2014 में **10 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर** वर्ष 2024 में **130 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक** हो गई है, जिसके वर्ष 2030 तक 300 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है।
  - **बायोफार्मा भारत की बायो-इकोनॉमी का सबसे बड़ा हिस्सा** है, जो इसके कुल मूल्य का 49% है, जिसका अनुमान 39.4 बिलियन अमरीकी डॉलर है। अनुमानतः वर्ष 2025 तक टीकाकरण बाजार 252 बिलियन रुपए (USD 3.04 बिलियन) का हो जाएगा।
- **जैव संसाधन:** भारत की विशाल जैवविविधता, विशेष रूप से **हिमालय क्षेत्र** में और 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा जैव प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करती है।
  - **डीप-सी मशिन** का उद्देश्य समुद्र के नीचे की जैवविविधता का पता लगाना है।
- **सरकारी पहल:**
  - **राष्ट्रीय जैव प्रौद्योगिकी विकास रणनीति 2020-25**

- [राष्ट्रीय बायोफार्मा मशिन](#)
- [बायोटेक-कसिान योजना](#)
- [अटल जय अनुसंधान बायोटेक मशिन](#)
- [वन हेल्थ कंसोर्टियम](#)
- [बायोटेक पार्क](#)
- [बायोटेकनोलॉजी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद \(BIRAC\)](#)
- [जीनोम इंडिया परियोजना](#)

■ अनुप्रयुक्त जैव प्रौद्योगिकी में हाल ही में अनुसंधान एवं विकास उपलब्धियाँ:

- **ADVIKA** काबुली चने (Chickpea) की कसिम: सूखे की स्थिति में बीज के वजन और उपज में वृद्धि के साथ अनावृष्टि-सहिष्णु [चने की कसिम](#) विकसित की गई।
- **एक्सेल ब्रीड सुवधि**: लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (PAU) में अत्याधुनिक स्पीड ब्रीडिंग सुवधि, फसल सुधार कार्यक्रमों को गति प्रदान करती है।
- **स्वदेशी टीके**: भारत ने कई अग्रणी टीके विकसित किये जिनमें [चतुर्भुज मानव पेपिलोमा वायरस \(qHPV\) वैक्सीन](#), [ZyCoV-D \(DNA वैक्सीन\)](#) शामिल है और इसके अतिरिक्त [GEMCOVAC-OM](#), एक mRNA-आधारित [ओमिक्रॉन बूस्टर](#) पेश किया गया।
- **जीन थेरेपी**: [हीमोफीलिया A के लिये भारत के पहले जीन थेरेपी](#) क्लिनिकल परीक्षण को मंजूरी मिली।
- **नई रुधिर बैग प्रौद्योगिकी**: बेंगलुरु के [inStem](#) के शोधकर्त्ताओं ने विशेष शीट बनाई, जो [संगृहीत लाल रक्त कोशिकाओं को नुकसान से बचाती है](#)।
  - यह तकनीक बेहतर रुधिर बैग बनाने और आधान के दौरान समस्याओं को कम करने में मदद कर सकती है।

■ भविष्य का दृष्टिकोण:

- बायोटेकनोलॉजी उद्योग **वर्ष 2025 तक 150 बिलियन अमरीकी डॉलर** तक पहुँचने वाला है और वर्ष 2030 तक इसके 300 बिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ने की संभावना है।
  - इस क्षेत्र से **वर्ष 2025 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में लगभग 3.3-3.5%** योगदान मिलने की उम्मीद है।
- डायग्नोस्टिक और मेडिकल उपकरणों के बाजार में उल्लेखनीय वृद्धि होने का अनुमान है साथ ही चिकित्सीय क्षेत्र से **वर्ष 2025 तक जैव-आर्थिक गतिविधि में 15 बिलियन अमरीकी डॉलर** सृजन होने की उम्मीद है।
- बायोटेक [इनक्यूबेटर्स के विस्तार](#) और [स्टार्टअप्स के लिये समर्थन](#) से स्वास्थ्य, कृषि एवं औद्योगिक प्रक्रियाओं सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे विकास एवं नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।





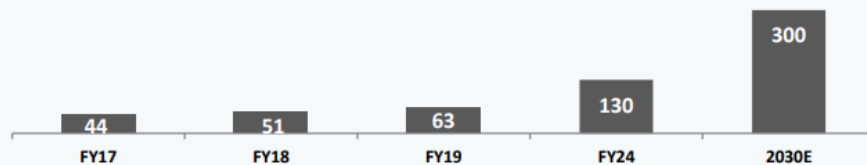


# BIOTECHNOLOGY



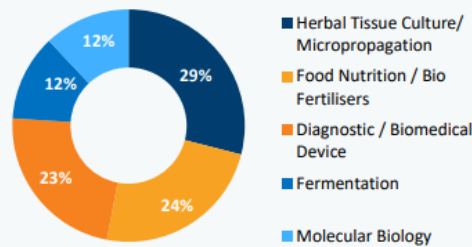
## MARKET SIZE

India Biotechnology industry valuation (US\$ billion)



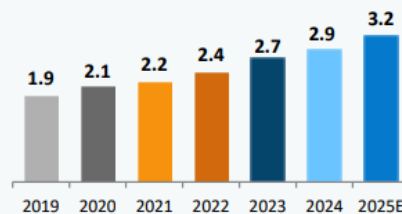
## SECTOR COMPOSITION

Vertical-wise distribution of start-ups, FY21 (%)

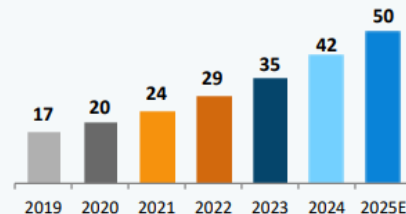


## KEY TRENDS

Clinical trials market in India (US\$ billion)



Medical device market in India (US\$ billion)



## GOVERNMENT INITIATIVES



Make in India



Biotech Parks



National Biopharma Mission



## ADVANTAGE INDIA

- Skilled human capital:** With a total population of 1.4 billion, 47% being under the age of 25, India has a large pool of young and skilled workforce. India has a large reservoir of scientific human resources, including scientists and engineers.
- Government Support:** Central and state governments have worked to set up several incubators and life science clusters across India. There are 9 DBT-supported biotech parks and 75 BIRAC-supported bio-incubators. In the Interim Budget 2024-25, the Department of Biotechnology (DBT) was allotted Rs. 2,251.52 crore (US\$ 271 million). National Biopharma Mission is supporting 101 projects including more than 150 organizations and 30 MSMEs. The National Biotechnology Development Strategy 2020-25, provides the government with a platform to strengthen skill development, resource and innovation.
- FDI Policy:** 100% under automatic route for greenfield projects for pharmaceuticals; 100% under automatic route is allowed for the manufacturing of medical devices.
- Epidemiological factors:** The patient pool is expected to increase over 20% in the next 10 years, mainly due to a rise in population.

## भारत में जैव प्रौद्योगिकी के लिये चुनौतियाँ क्या हैं?

- **रणनीतिक रोडमैप विकास:** जैव प्रौद्योगिकी के लिये एक व्यापक रणनीतिक रोडमैप का अभाव है जो प्रतस्पर्द्धी क्षेत्रों और उद्योग-वशिष्ट अनुसंधान एवं विकास आवश्यकताओं को रेखांकित करता हो।
  - फसल सुधार और चकितिसा वजिज्ञान में महत्त्वपूर्ण प्रगत हासिल करने के लिये जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र को **हरति और श्वेत क्रांति** के समान क्रांति की आवश्यकता है।
- **जैव-नेटवर्कगि:** जैव-प्रौद्योगिकी व्यवसायों के बीच संपर्क बढ़ाने, **बौद्धिक संपदा अधिकारों** को संबोधति करने तथा **जैव-सुरक्षा एवं जैव-नैतिकता** सुनिश्चित करने के लिये प्रभावी जैव-नेटवर्कगि की आवश्यकता है।
- **मानव संसाधन:** जैव प्रौद्योगिकी में वशिष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में अधिक वशिष्ट मानव संसाधनों की आवश्यकता है।
- **वनियामक बोझ:** जैव प्रौद्योगिकी हेतु भारत का वनियामक वातावरण जटलि और धीमा है, वशिष रूप से **आनुवंशिक रूप से संशोधति जीवों (GMOs)** के लिये।
  - अनुमोदन प्रक्रिया बहुत जटलि है, जसिमें अनेक एजेंसियाँ तथा **जेनेटिक मैनपुलेशन पर समीक्षा समति (Review Committee on Genetic Manipulation- RCGM)** शामिल हैं, जसिके कारण क्षेत्राधिकार में अतवियापन होता है और देरी होती है।
- **वतिपोषण और नविश:** यद्यपि जैव प्रौद्योगिकी उद्योग भागीदारी कार्यक्रम (Biotechnology Industry Partnership Programme- BIPP) के तहत जैव प्रौद्योगिकी परियोजनाओं के लिये सरकारी वतिपोषण उपलब्ध है, फरि भी उच्च जोखमि वाले अग्रणी अनुसंधान को समर्थन देने हेतु और अधिक नविश की आवश्यकता है।
- **IT एकीकरण और डेटा प्रबंधन:** जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान को डेटा प्रबंधन के लिये व्यापक आईटी समर्थन की आवश्यकता होती है, जसिमें डेटा एकीकरण और तकनीकी मानकों की स्थापना से संबंधति चुनौतियाँ भी शामिल हैं।

## जैव प्रौद्योगिकी विकास हेतु केस स्टडी के रूप में हैदराबाद

- हैदराबाद ने 700 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का नविश प्राप्त किया है और इसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक 250 बलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचना है, जो जैव प्रौद्योगिकी के लिये महत्त्वपूर्ण वतितीय समर्थन को दर्शाता है।
- **जीनोम वैली, मेडटेक पार्क और फार्मा सर्टि** जैसी प्रमुख बुनियादी परियोजनाएँ चल रही हैं, जो हैदराबाद के बायोटेक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ा रही हैं।
- हैदराबाद में जीवन वजिज्ञान क्षेत्र ने **हाल के वर्षों में 4,50,000 से अधिक नौकरियाँ उत्पन्न की हैं**, जसिसे महत्त्वपूर्ण आर्थिक विकास में योगदान मिला है।
- वैश्विक वैक्सीन उत्पादन में तेलंगाना का योगदान एक तहाई है और हैदराबाद को **वशि्व की वैक्सीन राजधानी** माना जाता है। साथ ही **राज्य भारत के दवा उत्पादन में लगभग 35% योगदान देता है।**
- हैदराबाद अन्य वैश्विक बाज़ारों की तुलना में **कफियाती मानव संसाधन और कम अचल संपत्ति लागत** प्रदान करता है, जसिसे बायोटेक कंपनियाँ यहाँ आकर्षति होती हैं।

## आगे की राह

- जैव प्रौद्योगिकी में कुशल कार्यबल वकिसति करने के लिये बायोटेक औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (Biotech Industrial Training Programme- BITP) जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का वसितार करना।
- बायोटेक स्टार्टअप और शुरुआती चरण की कंपनियों में उद्यम पूंजी नविश को प्रोत्साहति करें। संसाधन जुटाने तथा नवाचार में तेजी लाने के लिये **सार्वजनिक-नज्जी भागीदारी** को बढ़ावा दें।
- सहायक नीतियाँ और प्रोत्साहनों को तैयार करना तथा उन्हें लागू करना महत्त्वपूर्ण होगा। नीतियों को बायोटेक फर्मों को आकर्षति करने और बनाए रखने के लिये **वनियामक व्यवस्था को सुव्यवस्थति कर लाभ तथा सब्सिडी पर ध्यान केंद्रति किया जाना चाहिए।**
- प्रतस्पर्द्धा बढ़ाने के लिये **उत्पादन से जुडी प्रोत्साहन (Production Linked Incentive- PLI)** योजना जैसी पहलों का लाभ उठाना। रणनीतिक साझेदारी और नविश के माध्यम से वैश्विक बाज़ार में उपस्थति और ब्रांड पहचान बनाने पर ध्यान केंद्रति करना।
- जैव प्रौद्योगिकी से संबंधति वैश्विक पहलों जैसे **कग्लोबल अलायंस फॉर जीनोमिकस एंड हेल्थ और वैश्विक गठबंधन तथा प्लांट बायोटेकनोलॉजी के अंतर्राष्ट्रीय संघ (International Association of Plant Biotechnology- IAPB)** में सक्रिय रूप से भाग लें। वैश्विक बाज़ारों में जैव प्रौद्योगिकी उत्पादों तथा सेवाओं के नरियात का समर्थन करना।

QUESTION: \_\_\_\_\_

**प्रश्न.** BioE3 नीति भारत के राष्ट्रीय लक्ष्यों के साथ इसके संरक्षण और भारत में जैव प्रौद्योगिकी कैसे वकिसति हुई है, इस पर चर्चा कीजिये। चुनौतियों का समाधान करने के लिये संभावति समाधान सुझाइये।

**UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)**

